

## Two-Day ICPR National Seminar – 5 & 6 August 2025

Organized by the Philosophy Department under the guidance of Dr. Hemant Kumar Jha and coordinated by Dr. Kumari Bharti. Scholars, researchers, and students participated actively, engaging in discussions, research presentations, and intellectual debates.

### Conclusion

The seminar was a prestigious academic achievement, fostering research culture, intellectual growth, and student development, aligning with NAAC quality standards.



दैनिक भास्कर (07/08/2025)

### अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहें, तभी पा सकते विकसित भारत का लक्ष्य

**एमडी कॉलेज में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित**

नौवतपुर (आससे)। भारतीय दार्शनिक एवं अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित मालतीधारी कॉलेज में नौवतपुर में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां केंद्रीय विषय विकसित

आयोजन सचिव डॉ. कुमारी भारती रही। कार्यक्रम में देश के विभिन्न विभिन्न स्थानों से आए प्रतिभागियों ने भाग लिया। इलाहाबाद, प्रयागराज, राजस्थान, दिल्ली, केरल, तथा बिहार के प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाएगा, बल्कि एक मजबूत और समृद्ध समाज के निर्माण में भी मदद करेगा। कार्यक्रम का संयोजन सह आयोजन सचिव डॉ. कुमारी भारती ने कहा कि इस सेमिनार का उद्देश्य भारत को 2047 तक विश्व गुरु बनाने के लिए भारतीय ज्ञान प्रणाली को पुनर्जीवित और पुनर्जीवित करना उन भारतीय ज्ञान प्रथाओं की पहचान करना और उनके महत्व को सिद्ध करना है जो आधुनिक समय में संपूर्ण मानवता और पर्यावरण के लिए अपरिहार्य हैं, साथ ही भविष्य के विचार-विमर्श और अनुसंधान के लिए एक रोडमैप प्रदान करना है। कार्यक्रम के अंतिम दिन बुधवार को मुख्य अतिथि प्रो. गीता कुमारी, कुलपति शंकराचार्य विश्वविद्यालय कालीढोह, साथ ही श्यामलकिशोर रामेश्वर महाविद्यालय मुजफ्फरपुर, कन्हैया प्रसाद सिंह, पूर्व प्राचार्य मालतीधारी कॉलेज थे।

इस दौरान उपस्थित बकाओं ने विकसित भारत 2047 का लक्ष्य तभी प्राप्त हो सकता है जब हम अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहें और भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक संदर्भ में उपयोग करें। यह न केवल

दैनिक सवेरा (07/08/2025)

04 सुकवार 7 अगस्त 2025, लखनऊ

### संपादकीय

#### देवदार से लैरासा तक दर्शकों पर प्रेम का जड़

भारतीय ज्ञान और कृषि मेधा से विकसित भारत का रास्ता अपना होगा: डॉ. जंगवत्सल पाण्डेय

भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाएगा, बल्कि एक मजबूत और समृद्ध समाज के निर्माण में भी मदद करेगा। कार्यक्रम का संयोजन सह आयोजन सचिव डॉ. कुमारी भारती ने कहा कि इस सेमिनार का उद्देश्य भारत को 2047 तक विश्व गुरु बनाने के लिए भारतीय ज्ञान प्रणाली को पुनर्जीवित और पुनर्जीवित करना उन भारतीय ज्ञान प्रथाओं की पहचान करना और उनके महत्व को सिद्ध करना है जो आधुनिक समय में संपूर्ण मानवता और पर्यावरण के लिए अपरिहार्य हैं, साथ ही भविष्य के विचार-विमर्श और अनुसंधान के लिए एक रोडमैप प्रदान करना है। कार्यक्रम के अंतिम दिन बुधवार को मुख्य अतिथि प्रो. गीता कुमारी, कुलपति शंकराचार्य विश्वविद्यालय कालीढोह, साथ ही श्यामलकिशोर रामेश्वर महाविद्यालय मुजफ्फरपुर, कन्हैया प्रसाद सिंह, पूर्व प्राचार्य मालतीधारी कॉलेज थे।

इस दौरान उपस्थित बकाओं ने विकसित भारत 2047 का लक्ष्य तभी प्राप्त हो सकता है जब हम अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहें और भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक संदर्भ में उपयोग करें। यह न केवल